रक्षा अधिग्रहण परिषद

प्रीलिम्स के लिये

रक्षा अधिग्रहण परिषद

मेन्स के लिये:

रक्षा अधिग्रहण परिषद से संबंधित विभिन्न तथ्यात्मक पक्ष

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) में तीनों सेनाओं के लिये 22,800 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के पूंजीगत सामान की खरीद को मंज़ूरी दी है।

प्रमुख बिंदु

- 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिये DAC ने असॉल्ट राइफलों हेतु 'थर्मल इमेजिंग नाइट साइट्स' के स्वदेशी डिज़ाइन, विकास एवं विनिर्माण के लिये मंज़ूरी दी।

'थर्मल इमेजिंग नाइट साइट्स'

Thermal Imaging Night Sights

- 'थर्मल इमेजिंग नाइट साइट्स' का विनिर्माण भारत के निजी उद्योग द्वारा किया जाएगा और इनका उपयोग अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों द्वारा किया जाएगा।
- 'थर्मल इमेजिंग नाइट साइट्स' से सैनिकों को अंधेरे के साथ-साथ हर तरह के मौसम में लम्बी दूरी से सटीक निशाना लगाने में मदद मिलेगी, जिससे रात्रि में भी बड़ी तत्परता के साथ जंग करने की क्षमता काफी बढ़ जाएगी।

'एयरबॉर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल'

Airborne Warning and Control System (AWACS)

- सफल स्वदेशी 'एयरबॉर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल' कार्यक्रम के बाद DAC ने अतिरिक्त एयरबॉर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (AWACS) इंडिया एयरक्राफ्ट की खरीद के लिये आवश्यकता की स्वीकार्यता को दोबारा सत्यापित किया।
- इन विमानों के लिये रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा मिशन प्रणालियों और उप-प्रणालियों की स्वदेश में ही डिज़ाइनिंग की जाएगी और फिर इनका विकास किया जाएगा तथा बाद में मुख्य प्लेटफॉर्म पर इन्हें एकीकृत किया जाएगा।
- ये प्लेटफॉर्म विमान पर ही कमांड एवं कंट्रोल तथा 'पूर्व चेतावनी' सुलभ कराएंगे, जिससे भारतीय वायु सेना (IAF) को हवाई क्षेत्र में कम से कम समय में प्रभावकारी वर्चस्व सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।
- इन प्रणालियों को शामिल करने से हमारे देश की सीमाओं पर कवरेज बढ़ जाएगी और इससे भारतीय वायु सेना की हवाई रक्षा तथा आक्रामक क्षमता दोनों को ही काफी हद तक बढ़ाने में मदद मिलेगी।

‘पनडुब्बी-रोधी युद्ध पी8 I’

P8I long range patrol aircraft

- DAC ने नौसेना के लिये मध्यम दूरी वाले ‘पनडुब्बी-रोधी युद्ध पी8 I’ विमान की खरीद को भी मंज़ूरी दे दी है।
- इन विमानों से समुद्री तटों की निगरानी, पनडुब्बी-रोधी युद्ध (ASW) और एंटी-सरफेस वेसल (ASV) से हमले करने की क्षमता काफी बढ़ जाएगी।

‘ट्विन इंजन हैवी हेलिकॉप्टर’

Twin Engine Heavy Helicopters (TEHH)

- DAC ने भारतीय तटरक्षक के लिये ‘ट्विन इंजन हैवी हेलिकॉप्टर’ की खरीद को भी स्वीकृति दे दी है।
- इन विमानों से तटरक्षक को समुद्र में आतंकवाद की रोकथाम करने और समुद्री मार्गों के ज़रिये आतंकवादियों की घुसपैठ रोकने के साथ-साथ तलाशी एवं बचाव अभियान चलाने के मिशन शुरू करने में मदद मिलेगी।

रक्षा अधिग्रहण परिषद

(Defence Acquisition Council-DAC)

- सशस्त्र बलों की स्वीकृत आवश्यकताओं की शीघ्र ख़रीद सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वर्ष 2001 में रक्षा अधिग्रहण परिषद की स्थापना की गई थी।
- DAC की अध्यक्षता रक्षा मंत्री द्वारा की जाती है।
- उल्लेखनीय है कि DAC अधिग्रहण संबंधी मामलों पर निर्णय लेने वाली रक्षा मंत्रालय की सर्वोच्च संस्था है।

स्रोत: द हिंदू